उद्यमियों के साथ मिलकर पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाएंगे : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जेईसीसी में इंडिया स्टोन मार्ट का उद्घाटन किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के पत्थरों की विशिष्टता की विश्व पटल पर अनूठी पहचान है। देशभर के अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों, किलों, महलों में राजस्थान का पत्थर उपयोग में लाया गया है। अब राजस्थान का पत्थर उद्योग नई ऊंचाइयां छूने के लिए पूरी तरह तैयार है तथा हम इस उद्योग को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी उद्यमियों से प्रदेश में मिलकर पत्थर उद्योग को देश में सिरमौर बनाने की अपील की।शर्मा गुरुवार को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित इंडिया स्टोन मार्ट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सीडॉस, रीको और लघु उद्योग भारती को इस भव्य आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट प्रदर्शनी नए राजस्थान के संकल्प का प्रतीक है। यह आयोजन भारतीय प्राकृतिक पत्थर उद्योग की शक्ति और सामर्थ्य को प्रदर्शित करने का एक वैश्विक मंच बन चुका है। उन्होंने कहा कि इस स्टोन मार्ट का पहली बार 26 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में वेबसाइट निर्माण, डिजिटल मोबाइल एप्लीकेशन तथा विशाल क्षेत्र में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है।

- **मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले उद्यमियों को किया सम्मानित**
- **मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में किशनगढ़ का मार्बल,राजसमंद, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के पत्थर दुनियाभर में प्रसिद्ध है**

मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले निदेशक अनिल चौधरी तथा मुकेश चंद्र अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विपुल खनिज संपदा है। यहां कुल 85 तरह के खनिज उपलब्ध है। मकराना का संगमरमर, किशनगढ़ का मार्बल सहित राजसमंद, जालौर, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा के पत्थर दुनियाभर में प्रसिद्ध है। राजस्थान के पास न केवल समृद्ध संसाधन हैं, बल्कि सदियों पुरानी शिल्पकला की परंपरा भी है। साथ ही, हमारे कारीगरों की कला विश्वविख्यात है। हमारे पत्थर को पर्यावरण के अनुकूल, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति मिल रही है। उन्होंने कहा कि कहा कि उद्योग की असली ताकत हमारे कुशल कारीगर और मेहनतकश श्रमिक हैं। उनके हाथों की कारीगरी ही साधारण पत्थर को अद्भुत कला में बदलती है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर इकॉनोमी बनाया जाए।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार पत्थर उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है। राज्य सरकार द्वारा निवेश परक नई नीतियों, सिंगल विंडो क्लियरेंस, प्रक्रियाओं का सरलीकरण सहित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से उद्यमियों को राहत दी जा रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्टोन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले श्रीराम मेगा स्ट्रक्चर के निदेशक अनिल चौधरी तथा एवर शाइन मार्बल्स के प्रबंध निदेशक मुकेश चंद्र अग्रवाल को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। इससे पहले मुख्यमंत्री ने इंडिया स्टोनमार्ट 2026 प्रदर्शनी का फीता खोलकर उद्घाटन किया एवं स्टॉल्स का अवलोकन किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद, आर.के. मार्बल्स के चैयरमेन अशोक पाटनी, ईरान और टर्की के प्रतिनिधिगण, सहित लघु उद्योग भारती के वरिष्ठ पदाधिकारीगण, रीको एवं सीडॉस के अधिकारीगण, बड़ी संख्या में उद्यमी, वास्तुकार एवं श्रमिक मौजूद रहे।

अधिकारी दीर्घा खाली मिलने पर स्पीकर वासुदेव देवनानी नाराज़

- **देवनानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताया। सदन की कार्यवाही सुबह ठीक 11 बजे शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी समय पर आसन पर पहुंचे और शून्यकाल की कार्यवाही प्रारंभ करवाई**
- **अध्यक्ष की नाराजगी के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को आश्वासन दिया कि आगे से ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी**

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुरुवार को उस समय हंगामे जैसे हालात बन गए, जब शून्यकाल के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी दीर्घा में मौजूद नहीं पाए गए। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे सदन की गरिमा के खिलाफ बताया। सदन की कार्यवाही सुबह ठीक 11 बजे शुरू हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी समय पर आसन पर पहुंचे और शून्यकाल की कार्यवाही प्रारंभ करवाई।

इसी दौरान उन्होंने देखा कि अधिकारी दीर्घा पूरी तरह खाली पड़ी हुई है। इस पर अध्यक्ष ने संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि पूर्व में स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि शून्यकाल के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी सदन में मौजूद रहेंगे, ताकि विधायकों द्वारा उठाए गए सवालों पर तुरंत संज्ञान लिया जा सके।

उन्होंने कहा कि अधिकारी दीर्घा का खाली रहना गंभीर लापरवाही है और इसे तत्काल सुधारा जाना चाहिए। अध्यक्ष की नाराजगी के बाद संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने सदन को आश्वासन दिया कि आगे से ऐसी स्थिति दोबारा नहीं बनेगी। उन्होंने कहा कि शून्यकाल के दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करवाई जाएगी।

शून्यकाल शुरू होने के समय बड़ी संख्या में विधायक सदन की लॉबी में मौजूद थे। चूंकि विधानसभा अध्यक्ष आसन पर खड़े थे, इसलिए विधायक सदन में प्रवेश नहीं कर सके। स्थिति को देखते हुए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने स्पीकर से आग्रह किया कि वे कुछ क्षण के लिए बैठ जाएं, ताकि विधायक सदन में प्रवेश कर सकें।

स्पीकर देवनानी ने सहृदयता दिखाते हुए कुछ देर के लिए आसन पर बैठकर विधायकों को सदन में आने का अवसर दिया। विधायकों के सदन में प्रवेश के बाद कार्यवाही आगे बढ़ाई गई। इस दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने सभी विधायकों से आग्रह किया कि वे कार्यवाही शुरू होने से कम से कम पांच मिनट पहले सदन में पहुंचें, ताकि सदन के समय का सही उपयोग हो सके।

इंडिया पिंकफेस्ट में कलाकारों का लाइव प्रदर्शन

जयपुर। पिंकफेस्ट का 5 वां संस्करण आज से आरम्भ हुआ। यह एक ऐसा उत्सव है जो हमें एक देश के रूप में परिभाषित करता है: एक ऐसा देश जो कहानियाँ सुनाता है, सपने देखता है, अपने सांस्कृतिक वैभव पर गर्व करने को प्रेरित करता हैं और अपनी कला, संस्कृति को सहेज कर युवा पीढ़ी को सौंपने की राह बनाता है। यह रंग, संस्कृति और रचनात्मक ऊर्जा का एक आंदोलन है।

इसमें कलावृत संस्था द्वारा आयोजित लघु चित्राल की कार्यशाला के साथ साथ अपनी अपनी कलाओं के सिद्धहस्त कलाकार शिल्पगुरु डॉ. इंदरसिंह सिंह, नीरू छाबड़ा, वीरेन्द्र बन्नू एवं पृथ्वी राज कुमावत अपनी कला का लाइव डेमो द्वारा प्रदर्शित करेंगे तथा युवा पीढ़ी को उसकी तकनीक के बारे में भी बताएंगे और सीखने का भी प्रयास करेंगे।

जयपुर वासियों इस उत्सव का हिस्सा बने और इसकी रचनात्मकता का अनुभव करें।

'नेता प्रतिपक्ष के बयान में न सकारात्मकता, न विकास की सोच'

- **अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सदन में विपक्ष की बोलती बंद कर दी है**
- **बालमुकुंद आचार्य ने 5 साल बनाम 2 साल के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि विपक्ष को राजनीति करनी चाहिए, जनता के साथ मज़ाक नहीं**

जयपुर । राजस्थान की 16वीं विधानसभा के पंचम सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री के धन्यवाद प्रस्ताव के बाद विधायक बालमुकुंद आचार्य ने से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने कार्यों से पहली ही गेंद पर ऐसा छक्का लगाया कि विपक्ष गेंद ढूंढता रह गया। आचार्य ने 5 साल बनाम 2 साल के कार्यकाल की तुलना करते हुए कहा कि विपक्ष को राजनीति करनी चाहिए, जनता के साथ मज़ाक नहीं। कांग्रेस ने अपने पांच वर्षों में जनता के साथ कुठाराघात किया, बातें बहुत कीं लेकिन काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 24 महीनों के काम गिनाकर कांग्रेस के पांच सालों से तुलना और जांच की खुली चुनौती दी, लेकिन विपक्ष ने हमेशा की तरह सदन का समय खराब किया। आचार्य ने कहा कि मुख्यमंत्री के ठोस तथ्यों के सामने विपक्ष पूरी तरह क्लीन बोल्ड हो गया और बड़े-बड़े बोल बोलने वाले नेता खुद फंस गए।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने नेता प्रतिपक्ष के वक्तव्य को निरर्थक करार दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के भाषण में न तो कोई सकारात्मक दृष्टिकोण था और न ही विकासोन्मुख सोच दिखाई दी। बेढ़म ने कहा कि 40 मिनट के भाषण में नेता प्रतिपक्ष ने केवल राहुल गांधी का उल्लेख किया और नेहरू परिवार की चापलूसी करते रहे।

अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सदन में विपक्ष की बोलती बंद कर दी है। अविनाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार के 2 वर्षों के कार्यकाल की तुलना पिछली सरकार के 5 वर्षों के कामकाज से करते हुए विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। उन्होंने कांग्रेस नेताओं को आंकड़ों और तथ्यों के साथ बहस की खुली चुनौती दी और कहा कि अगर हिम्मत है तो बहस करिए, आज सच में मजा आ गया जब मुख्यमंत्री जी ने विपक्ष को जवाब दिया।

विधानसभा परिसर में मीडिया से रूबरू होते हुए विधायक गुरवीर सिंह बराड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने महज 2 वर्षों में जो विकास कार्य किए हैं, उससे कांग्रेस पूरी तरह बौखला गई है। उन्होंने कहा कि इसी का प्रमाण है कि मुख्यमंत्री ने सदन में 143 बिंदुओं का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत कर कांग्रेस के 5 साल बनाम भाजपा सरकार के 2 साल के कार्यों की तुलना रखी।

'2030 तक 125 गीगावाट नवीकरणीय सौर ऊर्जा की क्षमता का लक्ष्य'

- **केंद्र सरकार की सोलर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना योजना के तहत राजस्थान में 10,726 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्वीकृत : मदन राठौड़**

जयपुर । राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने कहा कि केंद्र सरकार राजस्थान को नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई) के अनुसार राजस्थान में सौर ऊर्जा की अनुमानित क्षमता 828 गीगावाट है, जबकि राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (एनआईडब्ल्यूई) के अनुसार राज्य में 150 मीटर ऊँचाई पर पवन ऊर्जा की अनुमानित क्षमता 284 गीगावाट है। यह आंकड़े साबित करते हैं कि राजस्थान देश का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा केंद्र बनने की क्षमता रखता है। राठौड़ के सवाल के जवाब में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री श्रीपाद येसो नाईक ने सदन को यह जानकारी दी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार की सोलर पार्क एवं अल्ट्रा मेगा सोलर परियोजना योजना के अंतर्गत राजस्थान में कुल 10,726 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें प्रमुख रूप से भादला, फलोदी-पोकरण, फतेहगढ़, नोख, पुगल बीकानेर एवं जैसलमेर क्षेत्र शामिल हैं। राज्यसभा सांसद राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान में अब तक 1,31,057 घरों में रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित हो चुके हैं। इससे आम जनता को बिजली बिल से राहत मिल रही है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि रोजगार के विषय में पीएलआई योजना के तहत देशभर में अब तक लगभग 13,600 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं, जिनमें से 3,156 रोजगार जयपुर तथा 20 रोजगार बाड़मेर जिले में सृजित हुए हैं।

मदन राठौड़ द्वारा एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) के विस्तार को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में जनजातीय कार्य राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने बताया कि केंद्र सरकार जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, खेल एवं कौशल विकास को सशक्त बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। दिसंबर 2025 तक देशभर में कुल 723 ईएमआरएस स्वीकृत किए जा चुके हैं।

राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर देशभर में 42 ईएमआरएस का उद्घाटन किया गया, जिनमें आंध्र प्रदेश में 2 और तेलंगाना में 4 विद्यालय शामिल हैं। इसके साथ ही 50 ईएमआरएस की आधारशिला रखी गई। राजस्थान में इस अवसर पर 3 ईएमआरएस का उद्घाटन किया गया। उन्होंने बताया कि ईएमआरएस में शिक्षा एवं खेल सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आधुनिक कक्षाएं, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल मैदान, खेल उपकरण, स्मार्ट क्लास, इंटरनेट सुविधा, संगीत व कला कक्ष, तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं।

विशेष दिव्यांगों को गति देने के लिए निशुल्क अंगदान शिविर आयोजित

शिविर में बी एम वी एस एस संस्था के विशेषज्ञों ने कृत्रिम अंगों को बनाने की पूरी विधि के बारे में जानकारी दी।

जयपुर। सेवा और करुणा की गहरी भावना के साथ, उत्तरी भारत की क्षेत्रीय ग्रैंड लॉज के तत्वावधान में प्रोजेक्ट डिग्निटी तथा फ्रीमेसन्स सोसायटी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण अंगदान (लिम्ब डोनेशन) शिविर का आयोजन किया श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति में किया गया।

शिविर 3 फरवरी को प्रारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन रीजनल ग्रैंड मास्टर राइट वर्षिपफुल ब्रदर पुनीत सोहल तथा जयपुर की तीनों लॉज के वर्तमान वर्षिपफुल मास्टर ब्रदर अमरदीप सिंह, ब्रदर समीर भार्गव और ब्रदर पुष्पेंद्र सिंह राष्ट्रवर ने दीप प्रज्वलन कर किया। मालवीय नगर, जयपुर में आयोजित इस शिविर में बी एम वी एस एस संस्था के विशेषज्ञों द्वारा कृत्रिम अंगों को बनाने की पूरी विधि को सदस्यों को लाइव दिखाया गया।इस कार्यक्रम की अध्यक्षता नॉर्थ जोन के रीजनल ग्रैंड मास्टर राइट वर्शिपफुल ब्रदर पुनीत सोहल ने की, इस अवसर पर प्रोजेक्ट डिग्निटी के कॉर्डिनेटर ब्रदर सुनील मेहरा, वर्षिपफुल ब्रदर विनोद शर्मा तथा जयपुर एयरफोर्स स्टेशन कमांडर ग्रुप कैप्टन विनय भारद्वाज तथा सीनियर मेडिकल ऑफिसर स्क्वाड्रन लीडर डॉ मनमोहन सिंह राठौर तथा जयपुर के तीस से अधिक फ्रीमेसन ब्रदर्स उपस्थिति थे।

चोरी करने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी की रामगंज थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी महिला के कब्जे से चोरी किए गए सोने और चांदी के कीमती जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। फिलहाल आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि रामगंज थाना पुलिस ने चोरी की एक वारदात का खुलासा करते हुए एक शातिर महिला खुशनाज बानो उर्फ कोमन निवासी रामगंज को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18 ग्राम सोने की आड़,3 जोड़ी चांदी की पायजेब (वजन 445 ग्राम)। थानाधिकारी सुभाष चंद्र यादव ने बताया कि परिवादिया लक्ष्मीराव निवासी घोसियों का रास्ता ने मामला दर्ज करवाया है कि जब वह बैंक गई हुई थी और उसका भाई दुकान पर था। तब पीछे से किसी ने खिड़की के रास्ते कमरे में प्रवेश किया और अलमारी में रखे जेवरात पार कर दिए। शाम को घर लौटने पर चोरी का पता चला। जिस पर पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय मुखबिरों से जानकारी जुटाई।

सार-समाचार

'उम्रकैद भुगत रहे कैदी के बच्चों के भरण पोषण के लिए क्या किया'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा काट रहे नर्सिंग ऑफिसर के तीन नाबालिग बच्चों के भरण पोषण के लिए वित्तीय सहायता मुहैया नहीं कराने से जुड़े मामले में चिकित्सा विभाग को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा है कि क्या अभियुक्त नर्सिंग ऑफिसर को निलंबित या बर्खास्त किया गया या नहीं? जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश नाबालिग बच्चों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता के पिता फागी में नर्सिंग ऑफिसर के पद पर कार्यरत थे। इस दौरान 14 जनवरी, 2023 को उन्होंने याचिकाकर्ताओं की मां की हत्या कर दी थी। एडीजे कोर्ट ने हत्या के आरोप में उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई और वे तब से जेल में बंद हैं। याचिका में कहा गया कि उनके पिता को न तो विभाग ने निलंबित किया और ना ही उन्हें सेवा से बर्खास्त किया गया। इस पर याचिकाकर्ताओं ने विभाग को नोटिस भेजकर पिता की सेवा की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी मांगते हुए भरण पोषण राशि दिलाने की गुहार की, लेकिन विभाग ने कोई जवाब नहीं दिया। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

सरपंच रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर ग्रामीण ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए ग्राम पंचायत बाजवास पंचायत समिति परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन के प्रशासक (सरपंच) राजेन्द्र प्रसाद मोयल को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी मुख्यालय को परिवादी ने एक शिकायत दी थी की उसको ग्राम पंचायत बाजवास में वर्ष 2024-25 के दौरान सामग्री सप्लाई का टेंडर प्राप्त हुआ था। जिसकी अवधि 31 मार्च 2025 को समाप्त हो गई थी। सामग्री सप्लाई का भुगतान प्राप्त हो चुका था, परंतु उसकी धरोहर राशि दो लाख रुपये ग्राम पंचायत बाजवास में जमा थी। जिसे लौटाने के लिए वह लगातार सरपंच राजेन्द्र प्रसाद मोयल को प्रार्थना पत्र एवं रिमाइंडर देता रहा। किंतु राशि वापस नहीं की गई। परिवादी द्वारा राज सम्पर्क पोर्टल पर शिकायत दर्ज करवाने के पश्चात 27 जनवरी 2026 को उसे उसके कार्य की राशि प्राप्त हुई। इसके बावजूद भी सरपंच द्वारा कमीशन के रूप में एक लाख रुपये की अवैध रिश्वत की मांग रहा था। जिसके बाद एसीबी ने परिवादी की शिकायत का विधिवत सत्यापन कराया गया, जिसमें रिश्वत मांग की पुष्टि होने पर गुरुवार को सांचौर चौराहा थाना परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन पर ट्रैप की कार्रवाई करते हुए एसीबी की जयपुर ग्रामीण टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनील सियाग ने सरपंच राजेन्द्र प्रसाद मोयल को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

'पर्यावरण संरक्षण के प्रति मुख्यमंत्री का ऐतिहासिक निर्णय'

जयपुर। राजस्थान की जनभावनाओं, पर्यावरण संरक्षण तथा हमारी समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत का सम्मान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हृदय से आभार। बजट सत्र में राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा खेजड़ी वृक्ष की अवैध कटाई पर कठोर दंड का प्रावधान करने तथा इसी सत्र में इस संबंध में कानून लाने की घोषणा, पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी निर्णय है। यह कदम विकास और प्रकृति के बीच संतुलन स्थापित करने की उनकी संवेदनशील सोच और मजबूत नेतृत्व का परिचायक है।हाल ही में राज्य के पूज्य साधु-संतों की अगुवाई में मुझे, अमृता देवी जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष जसवंत सिंह बिश्नोई, भाजपा उपाध्यक्ष बिहारी लाल बिश्नोई तथा फलोदी विधायक पब्बाराम राम बिश्नोई को मुख्यमंत्री से मिलकर खेजड़ी वृक्षों की कटाई की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने का अवसर मिला। इससे पूर्व अगस्त 2025 में भी पश्चिमी राजस्थान के विश्नोई समाज के साधु-संतों के प्रतिनिधिमंडल ने इस विषय की गंभीरता मुख्यमंत्री के समक्ष रखी थी। विश्नोई समाज सदियों से प्रकृति संरक्षण का प्रतीक रहा है। माँ अमृता देवी और 363 विश्नोई बलिदानियों का इतिहास इस बात का साक्षी है कि खेजड़ी वृक्ष केवल एक पेड़ नहीं, बल्कि आस्था, पर्यावरण और जीवन का आधार है। खेजड़ी पश्चिमी राजस्थान की जीवनरेखा है-यह पशुधन का सहारा है, मरुस्थलीय पारिस्थितिकी की रक्षा करती है और हमारी सांस्कृतिक एवं धार्मिक पहचान का प्रतीक है।

काम कम, ब्रांडिंग ज्यादा; मुख्यमंत्री रील बनाने में व्यस्त : टीकाराम जूली

- **अभिभाषण पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार की कार्यशैली, प्रशासनिक स्थिति और नीतियों को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार में ज़मीनी काम भले ही न हो, लेकिन ब्रांडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं**
- **नेता प्रतिपक्ष जूली ने विदेश नीति को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर रहा है**

जयपुर। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार की कार्यशैली, प्रशासनिक स्थिति और नीतियों को लेकर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार में ज़मीनी काम भले ही न हो, लेकिन ब्रांडिंग पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

जूली ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रील बनाने में व्यस्त हैं और केवल ब्रांडिंग के लिए आठ करोड़ रुपये का ठेका दे रखा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार ने कई यूट्यूब चैनल बना रखे हैं, जिन पर सौ लोग भी दर्शक नहीं होते।

जूली ने प्रशासनिक हालात पर सवाल उठाते हुए कहा कि मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव के जाने के बाद यह चर्चा होने लगी कि अब अगला नंबर किसका है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि हमें लगा कहीं मुख्यमंत्री ही न बदल जाएं, हालांकि हम चाहते हैं कि यही मुख्यमंत्री पूरे पांच साल पूरे करें।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के भीतर समन्वय का अभाव है। विधायक कह रहे हैं कि मंत्री नहीं सुनते, मंत्री कह रहे हैं कि मुख्यमंत्री नहीं सुन रहे और मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि उनकी कोई नहीं सुन रहा। इस बयान पर संसदीय कार्य मंत्री ने आपत्ति जताई, जिससे सदन में कुछ देर नोकझोंक भी हुई।

जूली ने कहा कि सरकार के मंत्रियों के कारण कई जगह विधायकों को गांवों में जाने तक में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों पर दादागिरी के मामले सामने आ रहे हैं, कहीं जनप्रतिनिधियों को धरने की धमकी देनी पड़ रही है, तो कहीं अधिकारियों द्वारा नए और गरीब जनप्रतिनिधियों का मजाक उड़ाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने विदेश नीति को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका प्रधानमंत्री पर टिप्पणी कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि यह कैसी विदेश नीति है।

जूली ने अमेरिका द्वारा टैरिफ बढ़ाए जाने का भी जिक्र किया और कहा कि जो टैरिफ पहले शून्य था, वह अब 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

जूली ने आरएसएस और वंदे मातरम को लेकर भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी की लड़ाई के समय आरएसएस ने वंदे मातरम और तिरंगे को नहीं अपनाया था। उन्होंने सदन में मौजूद भाजपा विधायकों से सवाल किया कि वंदे मातरम का कौन सा हिस्सा विवादित बताया गया था, लेकिन इस पर कोई विधायक खड़ा नहीं हुआ।

इसके साथ ही जूली ने राइजिंग राजस्थान में हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार इन समझौतों पर उठ रहे सवालों का जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मालिक नहीं, बल्कि जनता के ट्रस्टी हैं, इसलिए सवालों के जवाब देना सरकार की जिम्मेदारी है।

जूली ने जेल में सुरंग और जनसुनवाई के दौरान सामने आए जमीन सौदों के मामलों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार दूसरों पर सवाल उठाने से पहले अपने घर में झांके।

मामले की जांच में इतना समय लगेगा तो कैसे रुकेगा भ्रष्टाचार : हाईकोर्ट

- **घोटालों की जांच नहीं करने से जुड़े मामले में आदेश की पालना में एसीबी के डीआईजी व मामले में गठित की गई एसआईटी के मुखिया आनंद शर्मा अदालत में पेश हुए अदालत ने उन्हें कहा कि एसीबी जांच में इतना समय लगाएगी तो भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा**

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी विभाग में हुए करोड़ों रुपए के घोटालों की जांच नहीं करने से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना में एसीबी के डीआईजी व मामले में गठित की गई एसआईटी के मुखिया आनंद शर्मा अदालत में पेश हुए। अदालत ने उन्हें कहा कि एसीबी जांच में इतना समय लगाएगी तो भ्रष्टाचार कैसे रुकेगा। अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि एक प्रतिशत भ्रष्टाचार पर भी कोई अंकुश नहीं लग पा रहा है, जो एक चिंतनीय विषय है। अदालत ने एसीबी को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता की दी गई शिकायतों पर तुरंत प्रारंभिक जांच कर रिपोर्ट दर्ज करें। इसके साथ ही डीआईजी से दो सप्ताह में जांच पूरी कर 23 फरवरी तक प्रगति रिपोर्ट पेश करने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन ने यह आदेश टीएन शर्मा की याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता पीसी भंडारी ने कहा कि अदालत ने 6 सितंबर 2024 को टेंडरों की जांच के आदेश दिए थे। उसके बाद परिवादी ने 27 मामलों में भ्रष्टाचार को लेकर संबंधित दस्तावेज एसीबी में पेश किए। इसके बावजूद भी एसीबी ने इनमें कोई जांच नहीं की। जबकि वह लगातार पूरे तथ्यों के साथ एसीबी में मामले पेश करता रहा है। इनमें से केवल एक मामले में एसीबी ने 27 अक्टूबर 2025 को एफआईआर दर्ज की है। इस मामले में भी चार महीने बाद भी एसीबी ने शिकायतकर्ता के बयान तक दर्ज नहीं किए हैं। वहीं एसीबी ने मामलों की जांच के लिए अदालत से समय मांगा। इस पर अदालत ने एसआईटी के मुखिया को दो सप्ताह में जांच रिपोर्ट पेश करने को कहा है।